Newcomb's Communication Model

न्यूकॉम्ब का संचार प्रतिरूप

Dr. Archana Bharti
Guest Faculty, MJMC
Sem-1, Paper- 101
Date- 05/07/2021

Newcomb's model

- यह मॉडल प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक 'हाइडेर' **(1946)** के दृष्टिकोण का विस्तार है। हाइडर का सोचना था कि कोई दो व्यक्तियों में सम्प्रेषण के समय किसी तीसरी वस्तु के संदर्भ में कितनी दृढ़ता और उतावलापन **(Impatience)** होता है।
- प्रसिद्ध संचारविद् थियोडोर न्यूकाम्ब **(Theodore M. Newcomb)** ने वर्ष 1953 में **ABX** प्रतिरूप को प्रस्तुत किया। जिसे एकरूपता प्रतिरूप **(Symmetrical Model)** भी कहा जाता है।

Newcomb's model

- न्यूकाम्ब ने अपने प्रतिरूप में संचार प्रक्रिया को एक अलग दृष्टिकोण में प्रस्तुत किया। इन्होंने अपने प्रतिरूप में बताया कि सामाजिक संबंध में संचार की मुख्य भूमिका होती है।
- न्यूकाम्ब ने दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच में गतिशील संचार प्रक्रिया का विश्लेषण करते हुए लिखा कि ''संचार के कारण ही इन दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच में विस्तृत क्षेत्र में सहमति का विकास होता है।

Newcomb's model

- न्यूकाम्ब ने अपने प्रतिरूप में बताया कि किसी तीसरी वस्तु के प्रति दो वस्तुओं के बीच समानान्तर सम्प्रेषण (Parellel Communication) में खामी के कारण ही असंतुलन आता है। इस असंतुलन को संचार के माध्यम से फिर से स्थापित किया जाता है।
- इनके अनुसार, संचार कुछ निश्चित परिस्थितियों में ही प्रभावी होता है। और ये परिस्थितियां हैं–व्यक्तियों के बीच में गहरा आकर्षण और दोनों के लिए तीसरी वस्तु का महत्व। न्यूकाम्ब का उद्देश्य समाज में संचार प्रक्रिया के द्वारा संतुलन बनाना था। इनके प्रतिरूप को रेखाचित्र से समझ सकते है।

Newcomb's model

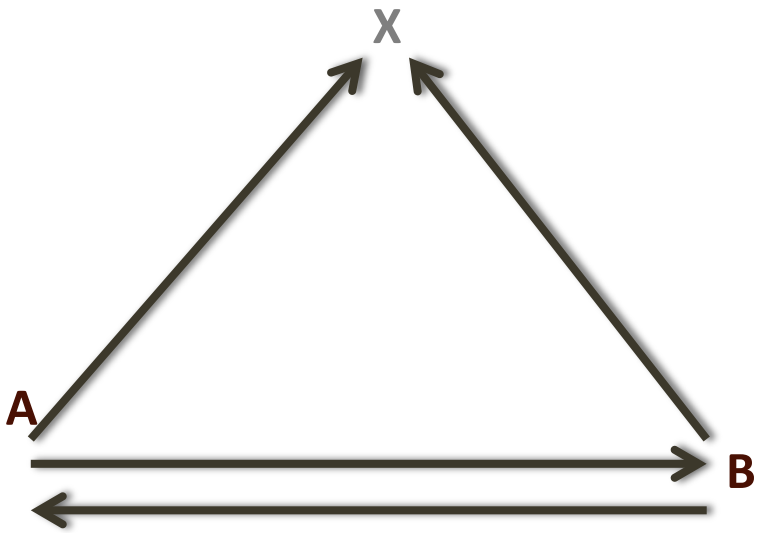

Newcomb's ABX Model

Newcomb's model

- रेखाचित्र से स्पष्ट होता है कि "न्यूकाम्ब मॉडल" त्रिभुजाकार **(Triangle)** में कार्य करता है।
- इस रेखाचित्र में **A** संदेश भेजने वाला है अर्थात संचारक है। **B** प्रापक अर्थात संदेश को प्राप्त करने वाला। **X** संदेश के रूप में है जो संचारक द्वारा प्रापक को भेजा जा रहा है। इसमें भेजे गए संदेश पर **A** और **B** दोनों का सहमत आवश्यक है अन्यथा संचार प्रक्रिया में तनाव या परेशानी उत्पन्न हो सकती है। इसे हम एक उदाहरण से समझ सकते हैं–

Newcomb's model

- मान लें कि **A** और **B** सरकार और जनता है। सरकार ने काई नीति बनाई और उसे जनता तक सम्प्रेषित किया, अगर जनता सरकार द्वारा बनाई गई नीति से सहमत है तो समाज में कार्य एक समान गति से होगा, परन्तु अगर जनता सहमत नहीं है तो समाज का संतुलन बिगड़ जाएगा।
- न्यूकाम्ब के अनुसार, सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए सकारात्मक संचार का होना आवश्यक है।
- इस प्रकार इस प्रतिरूप से व्यक्तियों की एक दूसरे के बारे में राय क्या है और उसका मनोयोग **(Diligence)** क्या है इसका पता चलता है। इसमें सम्प्रेषण दोतरफा होता है।